भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1420 #

गुरूवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

होमस्टे का मानकीकरण

1420 # श्री धैर्यशील मोहन पाटिलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ''इन्क्रेडिबल इंडिया होमस्टे स्कीम" के दिशा-निर्देशों के तहत पंजीकरण एवं वर्गीकरण प्रणाली संचालित कर रही है;

(ख) क्या सरकार द्वारा पूरे देश में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय मानकीकरण ढाँचा विकसित करने पर विचार किया जा रहा है;

(ग) क्या कोंकण जैसे तटीय एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट होमस्टे मॉडल तैयार करने की योजना है, ताकि सतत आजीविका एवं पर्यावरण-संतुलन सुनिश्चित हो सके; और

(घ) क्या डिजिटल एकीकरण, राष्ट्रीय बुकिंग पोर्टल, कौशल-प्रशिक्षण एवं सुरक्षा मानकों को शामिल करते हुए 'होमस्टे 2.0' नीति लाने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो उसके कार्यान्वयन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): जी हां। पर्यटन मंत्रालय अपने आम राष्ट्रीय मानकों और दिशानिर्देशों के तहत अतुल्य भारत बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों और होमस्टे प्रतिष्ठानों को वर्गीकृत करता है। वर्गीकरण के लिए मूल्यांकन के दौरान, उन घरों को उचित प्राथमिकता दी जाती है जो भारतीय सजावट, प्रामाणिक और मनमोहक भारतीय व्यंजन आदि के माध्यम से भारतीय अनुभव प्रदान करने में सक्षम हैं और इनमें कोंकण के तटीय और सांस्कृतिक क्षेत्रों के घर भी शामिल हैं।

होमस्टे का पंजीकरण और वर्गीकरण राष्ट्रीय आतिथ्य उद्योग एकीकृत डेटाबेस (एनआईडीएचआई, जिसे अब एनडीएएचआई+ में अपग्रेड कर दिया गया है) के माध्यम से

किया जाता है, जो कि होमस्टे सहित सत्कार और पर्यटन क्षेत्र के डिजिटल एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए एक प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली है।

पर्यटन मंत्रालय का लक्ष्य अपनी अतुल्य भारत वेबसाइट के माध्यम से देश भर में विविध पर्यटन पेशकशों की डिजिटल पहुंच को बढ़ाना है तथा इसे वन-स्टॉप डिजिटल सूचना और सेवा मंच में परिवर्तित करना है, जो पर्यटकों की आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन संबंधी सभी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने भी इस दिशा में अपनी पहल की है, जैसे कि उत्तराखंड द्वारा उत्तरास्टेज़ (uttarastays.com) का शुभारंभ, जो उत्तराखंड में होमस्टे के विपणन और प्रचार के लिए विकसित एक राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित होमस्टे बुकिंग प्लेटफॉर्म है।

इसके अलावा, इस उद्योग में निजी क्षेत्र के उद्यमियों ने विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल या ओटीए लॉन्च किए हैं जो होमस्टे की बुकिंग सहित अन्य बुकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं।

*****